Nai Dunia (Indore), 23rd October 2022, Page-06

जिनेवा में हो रहे अनुसंधान के बारे में दी जानकारी

द लार्ज आयन कोलाइडर एक्सपेरिमेंट के प्रवक्ता डा. लुसियानो मूसा ने विद्यार्थियों को संबोधित किया

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। जिनेवा के यूरोपीय नाभिकीय अनुसंधान संगठन (सीईआरएन) के द लार्ज आयन कोलाइडर एक्सपेरिमेंट (एएलआइसीई) के प्रवक्ता डा. लुसियानो मूसा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर आए। उन्होंने क्वार्क ग्लूआन प्लाज़्मा को उजागर करने में आई वैज्ञानिक और तकनीकी चुनौतियों के बारे में जानकारी साझा की। उनके साथ एएलआइसीई के पूर्व उप प्रवक्ता डा. तपन कुमार नायक भी मौजूद थे। कार्यक्रम में आइआइटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी और अन्य प्रोफेसर शामिल थे।

आइआइटी इंदौर में हुए कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अतिथि। ● सौ. संस्थान

एएलआइसीई के प्रयोग के प्रधान अन्वेषक और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के एसोसिएट डीन प्रो. रघुनाथ साहू ने लार्ज आयन कोलाइडर के बारे में आइआइटी द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। डा. लुसियानो मूसा ने क्वार्क ग्लूआन प्लाज्मा, एएलआइसीई की वैज्ञानिक और तकनीकी उपलब्धियों और इसकी दीर्घकालिक योजनाओं और सर्न में उपलब्ध वैज्ञानिक और तकनीकी अवसरों का अवलोकन किया। उन्होंने अतीत से वर्तमान में हुए बदलावों के बारे में बताया।

भविष्य में किस तरह के बदलाव होंगे इस पर भी अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि सर्न लार्ज हेड्रान कोलाइडर प्रयोग परमाणु और उप परमाणु भौतिकी के क्षेत्र में अब तक के सबसे बड़े और सबसे चुनौतीपूर्व वैज्ञानिक उद्यम में से एक हैं। इसका मुख्य मिशन क्वार्क ग्लूआन प्लाज्मा के गुणों की विशेषता पता करना है। यह वह पदार्थ है जो बिग बैंग के बाद ब्रह्मांड के शुरुआती क्षणों में अस्तित्व में माना जाता है। कार्यक्रम में शहर के कुछ शिक्षण संस्थानों के प्रोफेसर और विद्यार्थी भी मौजूद थे।